

गंगा एक्सप्रेसवे खोलेगा विकास का मार्ग

सफर होगा आसान... शुरू हो जाएंगे नए उद्योग, व्यापार के साथ बढ़ेंगे रोजगार

माई सिटी रिपोर्टर

मेरठ। गंगा एक्सप्रेसवे का उद्घाटन होते ही मेरठ समेत पूरे उत्तर प्रदेश में विकास का मार्ग खुलेगा। जहां एक्सप्रेसवे से जनता का सफर आसान हो जाएगा, वहीं औद्योगिक गलियारे में लगने वाले उद्योगों में स्थानीय लोगों को रोजगार के अवसर भी मिलेंगे। यूपी के युवाओं को नौकरी तलाशने के लिए अन्य प्रदेशों में नहीं जाना पड़ेगा। स्थानीय स्तर पर लोगों को अपने छोटे-बड़े उद्योग लगाने का भी अवसर मिलेगा।

यह एक्सप्रेसवे मेरठ के बिजौली से प्रयागराज तक मेरठ, हापुड, बुलंदशहर, अमरोहा, संभल, बदायूं, शाहजहांपुर, हरदोई, उन्नाव, रायबरेली, प्रतापगढ़ और प्रयागराज समेत इन सभी जिलों के 518 गांवों को जोड़ता है। इन गांवों के किसानों की जमीन पर गंगा एक्सप्रेसवे बनकर



तैयार हुआ है। आने वाले समय में गंगा एक्सप्रेसवे को अमरोहा- बिजनौर के रास्ते हरिद्वार उत्तराखंड से भी जोड़ने की योजना है। इसका फायदा हरिद्वार में कुंभ और प्रयागराज में महाकुंभ के दौरान भी मिलेगा।

चार बड़े एक्सप्रेसवे से जुड़ेगा गंगा एक्सप्रेसवे

गंगा एक्सप्रेसवे को उप्र के चार बड़े एक्सप्रेसवे से जुड़ेगा। यह एक्सप्रेसवे मेरठ-हापुड रोड़ से होकर लोहियानगर से मेरठ-दिल्ली एक्सप्रेसवे से जुड़ जाएगा। इससे दिल्ली से प्रयागराज की दूरी कम हो जाएगी। सफर आसान होगा। आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर उन्नाव और हरदोई के पास एक इंटरचेंज के जरिए इसे जोड़ा जाएगा। फर्रुखाबाद लिंक एक्सप्रेसवे 92 किमी लंबा है। उससे भी ये दोनों बड़े एक्सप्रेसवे जोड़े जाएंगे। यमुना एक्सप्रेसवे के जेवर एयरपोर्ट लिंक के माध्यम से इसे जोड़ा जाएगा। आने वाले समय में इसी गंगा एक्सप्रेसवे को उत्तराखंड यानी हरिद्वार से भी जोड़ा जाएगा। इससे लोग प्रयागराज में महाकुंभ और हरिद्वार में लगने वाले कुंभ में भी आसानी से पहुंच सकेंगे।